FOURTH SEMESTER (SCHEME-2012) MODERN OFFICE MANAGEMENT

STENOGRAPHY - II (HINDI)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 70

टीप: i) प्रश्नपत्र क्रमशः'अ', 'ब' और 'स' खण्ड में विभक्त है।

- ii) तीनों खण्डो के प्रश्न अनिवार्य है जब तक चयन कि सुविधा उपलब्ध न हो।
- iii) केवल''ऋषि प्रणाली'' के आधार पर संकेत लिपि बनाना है।
- iv) केवल संकेत लिपि पेंसिल का उपयोग करें।
- v) समस्त निर्देशों को भली-भाँति पढ लें।

खण्ड-'अ' (कुल अंक 40)

निर्देश : इस खण्ड में दिए गए प्रश्नों में से कोई भी पाँच प्रश्न हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 08 अंक निर्धारित किये गये है। संबंधित नियम के अनुसार ही संकेत चिन्ह बनायें।

- 1. दार, घार, तथा त्र, के चाप सम्बंधी नियमों को उदाहरण देकर समझाइए।
- 2. स, स्व और र, ल, के प्रयोग सम्बंधी विशेष नियमों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। 262

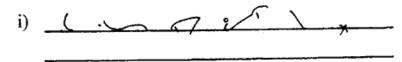
F/2015/6560

P.T.O.

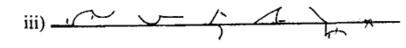
- 3. 'र' व्यंजन के ऊपर तथा नीचे लिखे जाने वाले नियमों को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिये।
- 4. प, ब, ज, एवं ह के प्रयोग संबंधी नियमों को स्पष्ट कीजिये।
- 5. स्वर लोप करने के नियम को स्पष्ट कीजिये।
- व्यंजनों को आधा करने के नियम स्पष्ट कीजिये।
- 7. पंद्रह वाक्यांशों को संकेत लिपि में स्पष्ट लिखें।
- जूट शब्द किसे कहते है। कोई 10 (दस) को स्पष्ट कीजिए। खण्ड -'ब' (कूल अंक 15)

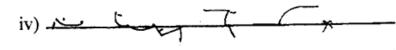
निर्देशः दिए गए अनुवाद को ''ऋषि प्रणाली'' के संकेत लिपि में लिखिये।

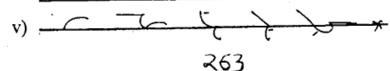
दिए गए चिन्हों को हिन्दी में अनुवाद कीजिए।









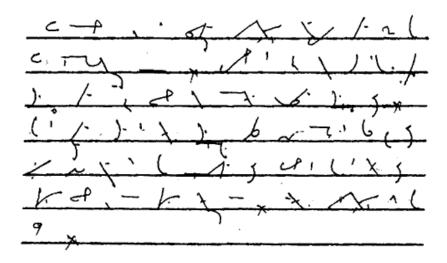


F/2015/6560

Contd.....

5

 दिए गए निम्न वाक्यों की संकेंत लिपि को हिन्दी भाषा में अनुवाद करें।



खण्ड -'स' (कुल अंक 15)

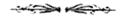
- निम्न वाक्यों को हिन्दी के संकेत लिपि में अनुवाद कीजिये।
 प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित किया गया है।
 - i) मेरा सारा हिन्दुस्तान घुमा हुआ है।
 - ii) स्वराज्य प्राप्त करना खेल नहीं है।
 - iii) हमने खाना खा लिया है।
 - iv) खाना खाते समय केवल खाने पर ध्यान दें।
 - v) देश की सेवा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

264

F/2015/6560

P.T.O.

2. निम्न वाक्यांश का संकेत लिपि में अनुवाद करें। 10 एक नगर में एक बुढ़िया रहती थी वह बहुत गरीब थी, लोगों की मजदूरी करके अपना पेट पालती थी, जब उसके पास कुछ रूपया हो गया तो उस रूपया से एक मुर्गी मोल ली वह मुर्गी एक अंडा दिया करती थी, एक दिन बुढ़िया ने सोचा मुर्गी का पेट चीरकर सारे अंडे निकाल लेना चाहिए जिससे बहुत सारा रूपया मिल जायेगा, परन्तु बुढ़िया को एक अंडा नहीं मिला तब बुढ़िया को बहुत ही अफसोस हुई और पछताने लगी।



265

F/2015/6560